



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 23] नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 19, 1973/पौष 29, 1894  
No. 23] NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 19, 1973/PAUSA 29, 1894

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह प्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed  
as a separate compilation

## MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT ORDER

New Delhi, 19th January 1973

**S.O. 30(E)/18E/IDRA/73.**—Whereas the Central Government has, by its notified Order in the late Ministry of Industrial Development, Internal Trade No. S.O. 3030/18A/IDRA/711 dated the 20th August, 1971, issued under section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), authorised the Gujarat State Textile Corporation Limited, Ahmedabad to take over the management of the whole of the industrial undertaking known as the Jehangir Vakil Mills Limited, Ahmedabad (hereinafter in this Order referred to as the 'Industrial undertaking') for the period specified therein ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18E of the said Act, the Central Government hereby specifies in the Schedule annexed hereto, the exceptions, restrictions and limitations subject to which the Companies Act, 1956 (1 of 1956), shall continue to apply to the industrial undertaking in the same manner as it applied thereto before the issue of the notified order under section 18A.

### SCHEDULE

Provisions of the Companies Act, 1956

Exceptions, restrictions and limitations subject to which the provisions mentioned in Column (1) shall apply to the industrial undertaking.

(1)

(2)

Section 293(1)(d)

This section shall not apply in respect of any person or body of persons authorised by the Central Government to take over the management of the company under section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951.

[No. F. 3-1-73-C.U.C.]

## औद्योगिक विकास मंत्रालय

## आदेश

नई दिल्ली, 19 जनवरी, 1973

का०आ० 30(अ) 185/आई०डी०आर०ए०/73.—यतः उद्योग (विकास तथा विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-क के अधीन जारी किए गए औद्योगिक विकास, आन्तरिक व्यापार मंत्रालय के अपने अधिसूचित आदेश सं० का०आ० 3030/18-क/आई०डी०आर०ए०/71 दिनांक 20 अगस्त, 1971 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने गुजरात राज्य बस्त्र निगम लिमिटेड, अहमदाबाद को सम्पूर्ण जहांगीर बकिल मिल्स लिमिटेड, अहमदाबाद, (जिसे इसमें इसके पश्चात् इस आदेश में “औद्योगिक उपक्रम” कहा गया है) का प्रबन्ध उसमें निर्दिष्ट कालावधि के लिये ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 18-क की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एन० द्वारा इससे संलग्न अनुसूची में उन अपवादों, निर्वन्धनों और परिसीमाओं को निर्दिष्ट करती है जिसके अध्यधीन रहते हुए कम्पनी अधिनियम 1956 (1956 का 1) औद्योगिक उपक्रम पर उसी रूप में लागू रहेगा जिस रूप में वह धारा 18-क के अधीन अधिसूचित आदेश के जारी होने से पहले उस पर होता था।

## अनुसूची

कम्पनी अधिनियम, 1956 के उपबन्ध	वे अपवाद, निर्वन्धन और परिसीमाएं, जिनके अध्यधीन स्तम्भ (1) में वर्णित उपबन्ध, औद्योगिक उपक्रम पर लागू होंगे।
-----------------------------------	--

(1)

(2)

धारा 293(1)(घ) यह धारा, उद्योग (विकास तथा विनियमन) अधिनियम, 1951 की धारा 18-क के अन्तर्गत कम्पनी का प्रबन्ध हाथ में लेने के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा प्राधिकृत किसी व्यक्ति अथवा व्यक्तियों के निकाय के सम्बन्ध में लागू नहीं होगी।

[सं० फा० 3/1/73-सी० यू० सी०]

S.O. 31(B)/185/IDRA/73.—Whereas the Central Government has by its notified order in the late Ministry of Industrial Development, Internal Trade No. 3800/18A/IDRA/70 dated the 24th November, 1970, issued under section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act 1951 (65 of 1951), authorised the Gujarat State Textile Corporation Limited, to take over the management of the whole of the industrial undertaking known as the Keshav Mills Company Limited, Petlad (hereinafter in this Order referred to as the 'industrial undertaking') for the period specified therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18B of the said Act, the Central Government hereby specifies in the Schedule annexed hereto the exceptions, restrictions, and limitations subject to which the Companies Act, 1956 (1 of 1956), shall continue to apply to the industrial undertaking in the same manner as it applied thereto before the issue of the notified order under section 18A.

## SCHEDULE

Provisions of the Companies Act, 1956.

Exceptions, restrictions and limitations subject to which the provisions mentioned in Column (1) shall apply to the industrial undertakings

(1)

(2)

Section 293(1)(d).

This section shall not apply in respect of any person or body of persons authorised by the Central Government to take over the management of the company under section 18A of the Industries (Development and Regulations) Act, 1951.

(No. F. 3/1/73-C.U.C.)

का० प्रा० 31(घ) 18ई/आई० डी० आर० ए०/73.—यतः उद्योग (विकास तथा विनियमन) अधिनियम 1951 (1951 का 65) की धारा 18-क के अधीन जारी किए गए औद्योगिक विकास, आन्तरिक व्यापार मंत्रालय के अन्तर्गत अधिसूचित आदेश सं० 3800/8क/आई० डी० आर० ए०/70 दिनांक 24 नवम्बर, 1970 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने गुजरात राज्य वस्त्र निर्यात लिमिटेड, ब्रह्मदाबाद को सम्पूर्ण केशव मिल्स कम्पनी लिमिटेड, पेटलैड (जिसे इसमें इसके पश्चात् आदेश में 'औद्योगिक उपक्रम' कहा गया है) का प्रबन्ध उसमें विनिविष्ट कालावधि के लिए ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 18क की उपधारा (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एन० द्वारा इससे संलग्न अनुसूची में उन अपवादों, निर्वन्धनों और परितीमाओं को निर्दिष्ट करती है जिसके अध्वधीन रहते हुए कम्पनी अधिनियम 1956 (1956 का 1) औद्योगिक उपक्रम पर उसी रूप में लागू रहेगा जिस रूप में वह धारा 18-क के अधीन अधिसूचित आदेश के जारी होने से पहले उस पर होता था।

## अनुसूची

कम्पनी अधिनियम,  
1956 के उपबन्ध

वे अपवाद, निर्वन्धन और पारसामाएँ, जिनके अध्वधीन संलग्न हैं वे निर्णित उपबन्ध, औद्योगिक उपक्रम पर लागू होंगे।

(1)

(2)

धारा 293(1)(घ)

यह धारा, उद्योग (विकास तथा विनियमन) अधिनियम, 1951 की धारा 18-क के अन्तर्गत कम्पनी पर प्रबन्ध राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत किसी व्यक्ति अध्वधीन व्यवस्था के निर्वहण के सम्बन्ध में लागू नहीं होगी

**S.O. 32(E)/18E/IDRA/73.**—Whereas the Central Government has, by its notified Order in the Ministry of Industrial Development (Department of Industrial Development) No. S.O. 21(E)/18A/IDRA/72, dated the 7th January, 1972, issued under section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1971 (65 of 1951), authorised the Gujarat State Textile Corporation Limited, Ahmedabad to take over the management of the whole of the industrial undertaking known as the Rajnagar Spinning Weaving and Manufacturing Company Limited, Ahmedabad (hereinafter in this Order referred to as the industrial undertaking) for the period specified therein.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18E of the said Act, the Central Government hereby specifies in the Schedule annexed hereto, the exceptions, restrictions and limitations subject to which the Companies Act, 1956 (1 of 1956), shall continue to apply to the industrial undertaking in the same manner as it applied thereto before the issue of the notified order under section 18A.

#### SCHEDULE

Provisions of the Companies Act, 1956.

Exceptions, restrictions and limitations subject to which the provisions mentioned in Column (1) shall apply to the industrial undertaking.

(1)

(2)

Section 293(1)(d).

This section shall not apply in respect of any person or body of persons authorised by the Central Government to take over the management of the company under section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951.

(F.No. 3/1/73-C.U.C.)

D.K. SAXENA,

Jt Secy

का. घा. ३२(घ)/१८ई/घाई० बी० घा० २०/७३.—यतः उद्योग (विकास तथा विनिर्माण अधिनियम १९५१ (१९५१ का ६५) की धारा १८-क के अधीन जारी किए गए औद्योगिक विकास मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के अपने अधिसूचित आदेश सं० का० घा० २१(क) १८क/घाई० बी० घा० २०/७२ दिनांक ७ जनवरी, १९७२ द्वारा केन्द्रीय सरकार ने गुजरात राज्य बस्त्र निगम लिमिटेड, ग्रहमदाबाद को सम्पूर्ण राजनगर, विविंग एण्ड मैनुफैक्चरिंग कम्पनी लिमिटेड, ग्रहमदाबाद (जिसे इसमें इसके पश्चात् आदेश में 'औद्योगिक उपक्रम' कहा गया है) का प्रबन्ध उसमें विनिर्दिष्ट कालावधि के लिए ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया।

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा १८क की उप-धारा (२) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा इससे संलग्न अनुसूची में उन प्रपत्रावों, निर्बंधनों और परिसीमाओं की निविष्ट करती है जिसके अध्वधीन रहते हुए कम्पनी अधिनियम, १९५६ (१९५६ का १) औद्योगिक उपक्रम पर उसी रूप में लागू रहेगा जिस रूप में वह धारा १८-क के अधीन अधिसूचित आदेश के जारी होने से पहले उस पर होता था।

---

 अनुसूची
 

---

कम्पनी अधिनियम, 1956 के  
उपबन्ध

वे अपवाद, निर्बन्धन और परिसीमाएँ, जिनके अधीन स्तंभ  
(1) में वर्णित उपबन्ध, औद्योगिक उपक्रम पर लागू होंगे

---

 (1)

---

 (2)
 

---

धारा 293 (1) (ब)

यह धारा, उद्योग (विकास तथा विनियमन) अधिनियम,  
1951 की धारा 18-क के अन्तर्गत कम्पनी का प्रबन्ध  
दृष्टि में लेने के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा प्राधिकृत किसी  
व्यक्ति अथवा व्यक्तियों के निकाय के सम्बन्ध में लागू  
नहीं होगी।

[सं० का० 3/1/73-सी० यू० सी०]

दिनेश किशोर सक्सेना, संयुक्त सचिव।

